समाचार

पार्षदों, जनप्रतिनिधियों द्वारा बताई गई जनसमस्याओं का निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ करें – आयुक्त

(आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय पहुंचे ग्राम्य बस्ती बरमपुर व सर्वमंगला नगर, अधिकारियों की टीम के साथ किया साफ–सफाई व्यवस्था, बरसाती पानी की निकासी, स्ट्रीट लाईट, पेयजल, सड़क , नाली सहित अन्य जनसमस्याओं से जुड़ी जरूरतों का निरीक्षण)

(बरमपुर बस्ती में सड़क नाली कलवर्ट निर्माण, नालियों को बड़ी नाली से जोड़ने आदि के प्रस्ताव तैयार करने अधिकारियों को दिए निर्देश)

(जोन कमिश्नरों को स्थाई निर्देश–सभी जोन कमिश्नर्स अपनी टीम के साथ प्रतिदिन सुबह करें वार्ड व बस्तियों की विजिट, अपर आयुक्त व अधीक्षण अभियंता को दें प्रतिदिन अपनी विजिट रिपोर्ट)

कोरबा 09 जुलाई 2025 –आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने आज निगम के जोन कमिश्नरों व प्रभारी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि वार्ड पार्षदों व जनप्रतिनिधियों द्वारा बताई गई

जनसमस्याओं का निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ करें, पार्षद अपनी वार्ड की जनता के प्रतिनिधि हैं, वार्ड की जनता अपनी समस्याओं को लेकर सर्वप्रथम अपने पार्षद के पास जाती है, वार्ड पार्षद इन समस्याओं के त्वरित निराकरण की अपेक्षा निगम प्रशासन से रखते हैं, अतः उनके द्वारा बताई गई समस्याएं त्वरित रूप से निराकृत हों, यह अंतिम रूप से सुनिश्चित कराएं।

आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय आज निगम की एक्शन टीम के साथ प्रातः 07 बजे सर्वमंगला जोन की ग्राम्य बस्ती बरमपुर सर्वमंगला नगर पहुंचे, निगम के वार्ड क्र. 61 व 62 की इन बस्तियों में भ्रमण के दौरान उन्होने उक्ताशय के निर्देश अधिकारियों को दिए। आयुक्त श्री पाण्डेय ने उक्त वार्डो की बरमपुर ऊपर बस्ती, ठाकुरदीहा मोहल्ला, मंझवार मोहल्ला तथा सर्वमंगला नगर के विभिन्न मोहल्लों, पारों की गलियों में पैदल भ्रमण करते हुए वहॉ की सफाई व्यवस्था व किए जा रहे सफाई कार्य, पेयजल व्यवस्था, स्ट्रीट लाईट, सड़क, नाली, बरसाती पानी की निकासी, अतिक्रमण व अवैध कब्जा, डोर–टू–डोर अपशिष्ट संग्रहण सहित अन्य विविध कार्यो, जरूरतों व जनसमस्याओं का सघन रूप से निरीक्षण करते हुए उनके निराकरण के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश अधिकारियों को दिए।

सड़क नाली व कलवर्ट निर्माण के प्रस्ताव बनाएं – भ्रमण के दौरान उक्त मोहल्लों व बस्तियों में सड़क, नाली, कलवर्ट निर्माण की आवश्यकता को देखते हुए आयुक्त श्री पाण्डेय ने इन निर्माण कार्यो के प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश जोन कमिश्नर को दिए। इसी प्रकार बरसाती पानी व अन्य निस्तारी पानी की समुचित निकासी हेतु बस्तियों में स्थित विभिन्न नालियों को वहॉ पर स्थित बड़ी नाली से कनेक्ट किए जाने संबंधी प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी उन्होने दिए।

निर्माणाधीन मकानों की भवन अनुज्ञा की जांच करें – उक्त बस्तियों में अनेक मकान भवन निर्माणाधीन पाएं गए, जिनका कार्य प्रगति पर है, आयुक्त श्री पाण्डेय ने अधिकारियों को इन मकानों की भवन निर्माण अनुज्ञा की जांच करने तथा बिना अनुमति के मकान भवन का निर्माण होने पर नियमों के तहत आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कई स्थानों में सड़क व फुटपाथ पर ईट, गिट्टी, रेत व अन्य निर्माण सामग्री तथा सी.एण्ड डी.वेस्ट की डम्पिंग की गई थी, आयुक्त श्री पाण्डेय ने संबंधितों को नोटिस देने तथा सड़क व फुटपाथ से उनको स्वयं उक्त मटेरियल हटा लेने का अल्टीमेटम देने को कहा, यदि उनके द्वारा सामग्री नहीं हटाई जाती तो नियमों के तहत आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

कचरा उठाने में देरी, ठेकेदार पर 5000 रू. अर्थदण्ड – बरमपुर बस्ती में भ्रमण के दौरान आयुक्त श्री पाण्डेय ने पाया कि ठेकेदार द्वारा कचरा उठाने में देरी की जा रही है, वहीं वार्ड पार्षद के कार्यालय के बगल में भी एक–दो दिन पुराना कचरा पड़ा हुआ है, उन्होने इसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित सफाई कार्य एजेंसी पर 5000 रूपये का अर्थदण्ड लगाने के निर्देश स्वास्थ्य अधिकारी को दिए, साथ ही एजेंसी को कड़ी हिदायत दी कि सफाई कार्य किए जाने के साथ–साथ ही कचरे

का उठाव कराएं तथा यह अंतिम रूप से सुनिश्चित करें कि स्थल से कचरा उठाने में अनावश्यक देरी न हों।

दुकानों में डस्टबिन नहीं, लगा अर्थदण्ड – भ्रमण के दौरान आयुक्त ने पाया कि अनेक दुकानों में डस्टबिन नहीं रखें गए, दुकानों के सामने दुकान से उत्सर्जित पन्नी, प्लास्टिक व अन्य कचरा बिखरा हुआ है, उन्होने संबंधित दुकान संचालकों पर अर्थदण्ड लगाने के निर्देश अधिकारियों को दिए, साथ ही दुकान संचालकों को समझाईश दी कि वे दुकानों में अनिवार्य रूप से डस्टबिन रखें तथा ग्राहकों को डस्टबिन में ही कचरा डालने के लिए प्रेरित करें।

सफाई कामगारों का भौतिक सत्यापन – आयुक्त श्री पाण्डेय ने उक्त वार्डो में भ्रमण कर सफाई कार्यो में संलग्न सफाई कामगारों का स्थल पर ही भौतिक सत्यापन किया तथा जांच की कि रजिस्टर पर दर्ज उपस्थिति अनुसार निर्धारित संख्या में सफाई कामगार स्थल पर कार्य कर रहे हैं या नहीं। इस मौके पर आयुक्त श्री पाण्डेय ने कार्यरत सफाई कामगारों व डोर–टू–डोर अपशिष्ट संग्रहण कार्य करती हुई स्वच्छता दीदियों से उनके कार्यो के संबंध में जानकारी ली, उन्होने कामगारों की आईडेन्टिटी का परीक्षण भी किया।

अनिवार्य रूप से कराएं कचरे का स्त्रोत–पृथकीकरण – इस दौरान आयुक्त ने पाया कि डोर–टू–डोर अपशिष्ट संग्रहण के दौरान कचरे का स्त्रोत–पृथकीकरण नहीं किया जा रहा है, गीला एवं सूखा कचरा एक साथ मिला हुआ रिक्शें में डाला गया है, इसे संज्ञान में लेते हुए उन्होने कड़ी नाराजगी जताई तथा निगम के पी.आई.यू., स्वच्छता कमांडों आदि को कड़े निर्देश दिए कि वे अनिवार्य रूप से कचरे का स्त्रोत–पृथकीकरण कराएं तथा कचरा संग्रहण स्थल पर ही गीला व सूखा कचरा अलग–अलग कर रिक्शें में स्थित पृथक–पृथक बाक्स में डाला जाना सुनिश्चित करें।

जोन कमिश्नर प्रतिदिन करेंगे वार्ड, बस्तियों का विजिट – आयुक्त श्री पाण्डेय ने निगम के सातों जोन के जोन कमिश्नरों को कड़े निर्देश देते हुए कहा है कि वे अपनी टीम के साथ प्रतिदिन सुबह 07 बजे से जोनांतर्गत वार्ड व बस्तियों का विजिट करें और यह देखें कि वार्ड व बस्तियों में क्या–क्या समस्याएं हैं, उनके निराकरण व व्यवस्था में सुधार हेतु क्या किया जाना आवश्यक है, साथ ही वार्डो के सफाई कार्य, पेयजल, स्ट्रीट लाईट, सड़क, नाली से जुड़ी समस्याओं का निरीक्षण करें तथा प्रतिदिन की विजिट रिपोर्ट निगम के अपर आयुक्त व अधीक्षण अभियंता को अनिवार्य रूप से दें, अपर आयुक्त व अधीक्षण अभियंता द्वारा रिपोर्ट को एकीकृत कर प्रतिदिन आयुक्त के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी।

भ्रमण के दौरान अपर आयुक्त विनय मिश्रा, अधीक्षण अभियंता सुरेश बरूआ, जोन कमिश्नर विनोद शांडिल्य, वार्ड पार्षद रामाधार पटेल, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी, जनसंपर्क अधिकारी रावेन्द्र सिंह, संपदा अधिकारी अनिरूद्ध सिंह, पार्षद प्रतिनिधि हीरू जायसवाल, सहायक अभियंता राहुल मिश्रा, विवेक रिछारिया, गोयल सिंह विमल, पुखराज यादव, विजेन्द्र सिंह बघेल, ओमप्रकाश पटेल, मोहर गोस्वामी, दिलेश्वर यादव, पंचू यादव आदि के साथ अन्य नागरिकगण व निगम के अधिकारी कर्मचरीगण उपस्थित थे।